**भारत सरकार**

**कोयला मंत्रालय**

**राज्‍य सभा**

**अतारांकित प्रश्‍न संख्‍या 1998**

**जिसका उत्‍तर 28 जुलाई, 2014 को दिया जाना है**

**dks;yk mRiknu**

**1998 Jh ,lñ Fkaxkosyq %**

D;k **dks;yk ea=h** ;g crkus dh d`ik djsaxs fd%

¼d½ D;k ;g lp gS fd dksy bf.M;k fyfeVsM ¼lhñ vkbZñ ,yñ½ bl o"kZ mRiknu esa vk/ks fcfy;u ds Lrj dks Nwus ds fy, gj laHko iz;kl djus dh ;kstuk cuk jgh gS(

¼[k½ D;k ;g Hkh lp gS fd ljdkj us 507 fefy;u Vu dks;yk tks ewy :i ls ifjdfYir y{; ls de gS] ds mRiknu gsrq lhñ vkbZñ ,yñ ds lkFk le>kSrk Kkiu ij gLrk{kj fd;k gS(

¼x½ D;k QSyhu pØokr ds dkj.k ikap fefy;u Vu dks;ys dk mRiknu ugha gks ik;k rFkk >kj[k.M esa dkuwu vkSj O;oLFkk dh leL;kvksa vFkok ekvksokfn;ksa }kjk fd, x, vpkud can ds dkj.k vU; 6 fefy;u Vu dk mRiknu ugha gks ik;k( vkSj

¼?k½ ;fn gka] rks rRlaca/kh C;kSjk D;k gS\

**उत्‍तर**

**कोयला, विद्युत एवं नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय में राज्‍य मंत्री (स्‍वतंत्र प्रभार)**

**(श्री पीयूष गोयल)**

**(क) तथा (ख) :** वर्ष 2014-15 के लिए ‘बहुत अच्‍छे’ के लिए कोयले के उत्‍पादन का लक्ष्‍य बीएयू परिदृश्‍य में मूल रूप से परिकल्‍पित 507.75 मि.ट. की तुलना में 507 मि.ट. निर्धारित किया गया था।

**(ग) तथा (घ) :** विभिन्‍न कारणों से वर्ष 2013-14 के दौरान उत्‍पादन में लगभग 20 मि.ट. का घाटा हुआ था जिसमें पर्यावरणीय स्‍वीकृति (ईसी) तथा वन स्‍वीकृति समय से न मिलना, भूमि का वास्‍तविक कब्‍जा लेने में कठिनाई, आर एंड आर समस्‍याएं, सीसीएल एवं एमसीएल में कोयला निकासी की समस्‍याएं, विस्‍फोटकों की कमी, कानून और व्‍यवस्‍था की समस्‍याएं मुख्‍य रूप से सीसीएल और एमसीएल में, भारी वर्षा एवं फैलीन चक्रवात आदि शामिल हैं। तथापि, फैलीन चक्रवात और कानून व्‍यवस्‍था की समस्‍याओं अथवा झारखंड में माओवादियों द्वारा किए गए अचानक बंद के कारण घाटे के मात्रा के बारे में अलग से बताना संभव नहीं है।

\*\*\*\*\*